Non-allotment of Prime-time to the Serial 'Kayar'

2175. SHRI N. E. BALARAM: Will the MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a serial based on the Malayalam novel 'Kayar' (Coir) had to wait for more than two years to get a chance on national network of the Doordarshan;

(b) whether it is also a fact that the Director of the serial wanted it to be telecast at primetime, i.e., at 9.00 P.M. considering the novel's eminence in the Indian literary World and the time alloted is at 9.50 P.M.;

(c) whether it is also a fact that the Kerala Government and all the Members of Parliament from Kerala had requested the Doordarshan authorities and the Minister to allot prime-time for the telecast of the serial; and

(d) if so, the details and the Government's reaction thereto?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (KUMARI GIRIJA VYAS): (a) No, Sir.

(b) and (c) Requests to this effect were received from the producers of the serial and a Member of Parliament, Subsequently, however, the producer agreed to the 9.50 P.M. slot.

(d) Serials are scheduled for telecast by Doordarshan based on the advice of the appropriate committee and keeping in mind their overall programme requirements.

आकाशवाणी और दूरदर्शन के स्टूडियों की स्थापना

2176. श्री विश्वासराव राम राव पाटिल : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि आकाशवाणी और दूरदर्शन पर क्षेत्रीय भाषाओं के कार्यक्रमों को बढ़ाने के लिए प्रत्येक राज्य में स्टूडियों की संख्या में वृद्धि किये जाने की आवश्यकता है ;

(ख) यदि हां, तो सरकार इस वित्तीय वर्ष के अन्त तक देश में ऐसे कितने स्टूडियों की स्थापना का विचार रखती है, और उन्हें किन-किन स्थानों पर स्थापित किया जायेगा ; और

(ग) क्या महाराष्ट्र के अहमदनगर में भी ऐसा कोई स्टूडियो स्थापित किया जायेगा ; यदि हां तो उसका ब्यौरा क्या है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उप मंत्री (कुमारी गिरिजा व्यास) : (क)

आकाशवाणी

राज्यों में क्षेत्रीय भाषा कार्यक्रमो के निर्माण तथा मूल रूप से कार्यक्रम तैयार करने के लिए आकाशवाणी केन्द्रों को पर्याप्त स्टूडियो सुविधाओं से सुसज्जित कर दिया गया है ।

दूरदर्शन

दूरदर्शन का क्षेत्रीय सेवा के प्रसार के लिए विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों मे दूरदर्शन कार्यक्रम सुनिर्माण विधाओं मे उत्तरोत्तर वृद्धि का लगातार प्रयास रहत है। चालू सातवीं योजना की स्कीमों के पूरा हो जाने पर दादरा एवं नागर हवेल दामन और दीव तथा लक्षद्वीप, संघ राज क्षेत्रों को छोड़कर सभी राज्यों और सं राज्य क्षेत्रों की राजधानियों में कार्यक्र निर्माण सुविधाएं उपलब्ध हो जाएंगी ।

(ख) **आकाशवाणी**

इस वित्तीय वर्ष के अन्त तक बह उद्देशीय स्टूडियो सहित 18 नये स्थानी आकाशवाणी केन्द्रों के तकनीकी रूप तैयार हो जाने की परिकल्पना है ।

दूरदर्शन

जबकि ग्यारह कार्यक्रम निर्माण के पहले से ही तकनीकी रूप से तैयार ऐसे छः और केन्द्रों से संबंधित संस्थापन कार्य प्रगति पर है । अपेक्षित जनशक्ति उपलब्ध होने पर इन सभी 17 केन्द्रों

चालू वित्तीय वर्ष के अन्त तक सेवा के लिए चालू हो जाने की उम्मीद है ।

चालू वित्तीय वर्ष अर्थात् 1991–92 के दौरान सेवा के लिए चालू किये जाने वाले आकाशवाणी स्टूडियो/दूरदर्शन कार्यक्रम निर्माण केन्द्रों के स्थानों की सूची विवरण में दी गयी है (नीचे देखिए)

(ग) अहमदनगर का मौजूदा स्थानीय रेडियो स्टेशन पहले से ही बहुउद्देशीय स्टूडियो से सुसज्जित है । इस स्थान पर दूरदर्शन स्टूडियो स्थापित करने की फिलहाल कोई अनुमोदित स्कीम नहीं

विवरण

आकाशवाणी स्टूडियों/दूरदर्शन के कार्यक्रम निर्माण केन्द्रों की सूची ।

(क) आकाशवाणी	बहुउद्देशीय स्टूडियो सहित नये रेडियो स्टेशन
1. चित्तौड़गढ	
2. अकोला	
3. शहडोल	
4. छिंदवाड़ा	
5. सवाई माधोपुर	
6. हासपेट	
7. कुर्नूल	
8. रायगढ	
9. डूंगी	
10. पटियाला	
11. झालावाड़	
12. हाफलौंग	
13. सूरत	
14. पूर्णिया	
15. चन्द्रपुर	
16. रायचूर	
17. हजारीबाग	
18. यवतमाल	
(ख) दूरदर्शन	
1. सिल्चर	कार्यक्रम निर्माण
2. मुजफ्फरपुर	–तथैव–
3. गुलबर्गा	–तथैव–
4. रायपुर	–तथैव–
5. इम्फाल	–तथैव–

(क) आकाशवाणी	बहुउद्देशीय स्टूडियो सहित नये रेडियो स्टेशन
6. शिलांग	कार्यक्रम निर्माण केन्द्र
7. तुरा	—तथैव—
8. कोहिमा	—तथैव—
9. भोपाल	—तथैव—
10. पांडिचेरी	—तथैव—
11. पोर्ट ब्लेयर	—तथैव—
12. डाल्टनगंज	—तथैव—
13. अगरतला	—तथैव—
14. बरेली	—तथैव—
15. डिब्रुगढ़	—तथैव—
16. गुवाहाटी	कार्यक्रम निर्माण और फीडिंग केन्द्र
17. गुवाहाटी	स्थाई स्टूडियो केन्द्र

Request by Bangladesh Government to improve TV tower at Tripura

2177. SHRI S. S. AHLUWALIA: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government of Bangladesh have requested Government of India to improve the relaying T.V. tower in Tripura to enable the Bangladesh people to view Doordarshan programme particularly the Bangla programmes on Bangladesh T.V.; and

(b) if so, the reaction of Government in this regard?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (KUMARI GIRIJA VYAS): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

Allowing foreign publications in the country

2178. SHRI S. S. AHLUWALIA: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether Government have decided to allow foreign publications to come to the country and compete with local publications;

(b) if so, what are the details thereof; and

(c) what action Government propose to take to protect the interests of Indian Publishers?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (KUMARI GIRIJA VYAS): (a) No, Sir. Foreign publications can come in when they are imported but its publication from India under foreign ownership is not permissible at present.

(b) and (c) Does not arise.